हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 37 देहरादून, बृहस्पतिवार, 27 जुलाई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी से शिष्टाचार भेंट की 3

कारगिल शहीदों के परिजनों को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 27 जुलाई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कारगिल विजय दिवस (शौर्य दिवस) पर गांधी पार्क में आयोजित कार्यक्रम में शहीद स्मारक पर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कारगिल शहीदों के परिवारजनों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि देहरादून एवं पिथौरागढ़ में एक-एक अतिरिक्त जिला सैनिक कल्याण कार्यालय खोला जायेगा। प्रदेश में सैनिक द्वार एवं स्मारकों की देखरेख सैनिक कल्याण विभाग एवं जिला प्रशासन के द्वारा की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल लड़ाई में हमारे जवानों ने अदम्य साहस, वीरता एवं पराक्रम का परिचय देते हुए माँ भारती की रक्षा की। कारगिल में भारत के रणबांकुरों का दुश्मन के खिलाफ किया गया सिंहनाद आज तक उसी वेग से गूंज रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय सैनिकों ने कारगिल युद्ध में जिस प्रकार की विपरीत परिस्थितियों में वीरता का परिचय देते हुए घुसपैठियों को सीमा पार खदेड़ा, उससे पूरे विश्व ने भारतीय सेना का लोहा माना। कारगिल युद्ध में देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वीर सैनिकों के बलिदान को राष्ट्र हमेशा याद रखेगा।

कारगिल युद्ध में उत्तराखण्ड से 75 वीर सपूत शहीद हुए। जिस सांस्कृतिक परिवेश और विचारों ने हम सभी को पोषित किया है, उस संस्कृति में मान्यता है कि देशभक्ति सभी प्रकार की भक्तियों में सर्वश्रेष्ठ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना के साथ उनका रिश्ता आत्मीयता का रिश्ता है। उन्होंने कहा कि अपने पिता जी से सुनी सैन्य वीरों की गाथाओं ने उन्हें बचपन से ही बहुत प्रभावित किया और उनके अंदर राष्ट्र के प्रति संपूर्ण समर्पण की भावना को जागृत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से सेना ना केवल पहले से और अधिक सक्षम और सशक्त हो रही है बल्कि उसकी यश और कीर्ति भी बढ़ रही है। सरकार जहां एक तरफ सेना के आधुनिकीकरण पर बल दे रही है तो वहीं सैनिकों और उनके परिवारों को मिलने वाली सुविधाओं को भी बढ़ा रही है। भारत सरकार हर स्तर पर सेना को सुदृढ़ करने का कार्य का रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूर्व सैनिकों, शहीद सैनिकों के आश्रितों के कल्याण के प्रति वचनबद्ध है। शहीद सैनिकों के परिवार के एक सदस्य को उसकी योग्यता अनुसार सरकार द्वारा सेवायोजित किया जा रहा है।

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा राज्य के वीरता पदक से अलंकृत सैनिकों को दी जाने वाली एकमुश्त तथा वार्षिकी में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। परमवीर चक्र विजेता को 30 लाख से 50 लाख, अशोक चक्र 30 लाख से 50 लाख, महावीर चक्र 20 लाख से 35 लाख, कीर्ति चक्र 20 लाख से 35 लाख, वीर चक्र और शौर्य चक्र 15 से 25 लाख और सेना गेलेन्ट्री मेडल 07 लाख से 15 लाख करने को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून के गुनियालगाँव में शहीदों की

स्मृति में अत्याधुनिक एवं विभिन्न सुविधाओं से युक्त 'शौर्य स्थल (सैन्य धाम) का निर्माण किया जा रहा है, जिसका निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा ।

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा युद्ध विधवा एवं युद्ध अपंग सैनिकों को दो लाख रुपये की आवासीय सहायता प्रदान की जा रही है। उत्तराखण्ड में सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को 25 लाख मूल्य की सम्पत्ति के खरीद पर स्टाम्प ड्यूटी में 25 प्रतिशत की छूट अनुमन्य की गयी है । सैनिक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी ने कहा कि भारतीय सेना ने सदैव राष्ट्र की अखंडता एवं सम्प्रभुता बनाए रखने के लिये अनुकरणीय साहस और देशभक्ति का प्रदर्शन किया है। हमारा प्रथम कर्तव्य है कि देश की सीमाओं की रक्षा तथा देश की संप्रभुता एवं अखंडता बनाये रखने के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिक सपूतों, पूर्व सैनिकों तथा उनके परिजनों के मान-सम्मान एवं कल्याणार्थ सदैव तत्पर रहें। भारतीय सैनिक हमारे देश के सच्चे नायक हैं।

कारगिल विजय दिवस पर महामहिम ने दी श्रद्धांजलि

न्यूज वायरस नेटवर्क

बुधवार, 27 जुलाई , ऑपरेशन विजय के सफल समापन पर कारगिल युद्ध के नायकों के साहस, वीरता और बलिदान के सम्मान में हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। 1999 में कारगिल युद्ध 60 दिनों से अधिक समय तक लड़ा गया और भारत पाकिस्तान को हराकर विजयी हुआ। यह पूरे राष्ट्र के लिए गौरव का दिन है।राष्ट्र के इतिहास में इस युगांतकारी घटना की 23वीं वर्षगांठ मनाने के लिए, मुख्यालय उत्तराखंड सब एरिया ने कारगिल युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों की याद में शौर्य स्थल पर पुष्पांजलि समारोह का आयोजन किया। लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (सेवा-निवृत्त), उत्तराखंड के राज्यपाल ने कारगिल युद्ध के नायकों की याद में शौर्य स्थल युद्ध

स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की, उन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने बहादुरी से लड़ाई लड़ी और राष्ट्र के लिए निस्वार्थ भाव से अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। राज्यपाल ने वीर नारियों, कारगिल युद्ध नायकों और उनके परिवारों और आश्रितों से भी मुलाकात की। राष्ट्र हमारे शहीद सैनिकों की वीरता और बलिदान का ऋणी है जिनके कारण हमारी सीमाओं की अखंडता आज भी बरकरार है। यह युद्ध नायकों को उनके बलिदान के लिए याद करने और राष्ट्र के लिए सशस्त्र बलों के संकल्प को मजबूत करने का दिन है।

बागवानी पलायन रोकने में बड़ा किरदार निभायेगी : भगत सिंह कोश्यारी

विकासनगर। ब्लाक में पहली बार बुधवार को आयोजित सेब गोष्ठी में भाग लेने मंगलवार शाम बुल्हाड़ पहुंचे महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का ग्रामीणों ने पारम्परिक ढोल रणसिंघे और फूलमालाओं से स्वागत किया। पूर्व राज्यपाल कोश्यारी ने कहा कि बागवानी पलायन रोकने में बड़ा किरदार निभाएंगे।

बुल्हाल गांव में आयोजित सेब गोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि युवाओं को बागवानी अपनानी चाहिए। कहा बागवानी कर अच्छी कमाई हो सकती है व इससे पलायन भी रुकेगा। कहा कि पर्यटन व कृषि को बढ़ावा देकर पलायन रोका जा सकता है- कहा कि इस क्षेत्र में सरकार भी भरपूर सहयोग करेगी। सेब गोष्ठी के संयोजक सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी रतन सिंह रावत ने बताया कि जौनसार बावर क्षेत्र में बागवानी बढ़ रही है, लेकिन बागवानों को जानकारी का आभाव है। इसी को देखते हुए उन्होंने यहां सेब गोष्ठी आयोजित करने का निर्णय लिया। कहा कि गोष्ठी में विशेषज्ञों ने बागवानों के साथ अपने विचार साझा किए। गोष्ठी में हिमाचल के नंदपुर से आये बागवान और एप्पल विशेषज्ञ बलबीर छाजटा, विलेख रानीखेत के गोपाल दत्त उप्रेती, पदमश्री प्रेमचंद शर्मा, ने बागवानों को सेब उत्पादन के गुर बताए। उन्होंने कहा कि सेब के बगीचों में सेब की गुणवत्ता को बढ़ाने एवं बनाए रखने के लिए किसान जमीन का परीक्षण करके उसमें आवश्यक तत्वों को बनाए रखें। ग्रामीण क्षेत्रों में बागवानी विकसित करने के लिए सरकार को एप्पल वैली बागवानों की सुविधा के लिए मृदा परीक्षण लैब स्थापित करनी चाहिए।

क्या आप जानते हैं नाली से ज़मीन नापने का फार्मूला ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 27 जुलाई , आपने ज़मीन नापने के लिए क्या नाली का इस्तेमाल कभी रूप में होते सुना है। जी हाँ नाली , उत्तराखंड राज्य में Nali नाली का उपयोग किया जाता। यदि आपको जमीन की नपाई के बारे में जानना है और यह समझना है की Nali नाली क्या है और Nali नाली भूमि कितनी होती है तो इस जानकारी को पूरा ज़रूर पढ़े। दरअसल नाली Nali भूमि / जमीन को नापने की एक इकाई है ।

1 Nali नाली भूमि में कितने वर्ग फुट (square feet) होते हैं।

1 nali in square feet1 Nali नाली भूमि में 2160 वर्ग फुट (square feet) होते हैं।

1 nali = 2160 square feet1 Nali नाली भूमि में कितनी मुट्ठी (Mutthi) होती है ।

1 Nali नाली भूमि में 16 मुट्ठी (Mutthi) होती है ।

1 Nali नाली भूमि में कितने वर्ग गज (Square Yard) होते हैं।

1 nali in gaj

1 Nali नाली भूमि में 2160 वर्ग फुट (square feet) होते हैं।

1 गज = 3 फुट1 Nali नाली भूमि = 2160 / (3 X 3) = 240 वर्ग गज 1 Nali नाली भूमि में 240 वर्ग गज (Square Yard) होते हैं।

1 nali = 240 gaj1 Nali नाली भूमि में कितने एकड़ (Acre) होते हैं।

1 nali in Acre

1 Nali नाली भूमि में 2160 वर्ग फुट (square feet) होते हैं।

1 गज = 3 फुट

1 Nali नाली भूमि = 2160 / (3 X 3) = 240 वर्ग गज

1 एकड़ (Acre) = 4840 वर्ग गज

1 Nali नाली भूमि = 240 / 4840 एकड़ (Acre)

1 Nali नाली भूमि में 0.050 एकड़ (Acre) होते हैं।

1 nali = 0.050 acre1 Nali नाली भूमि में कितने वर्ग इंच (Square inch) होते हैं।

1 Nali नाली भूमि में 2160 वर्ग फुट (square feet) होते हैं।

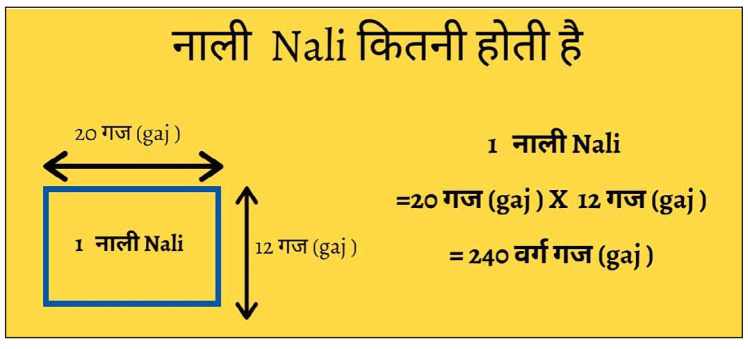

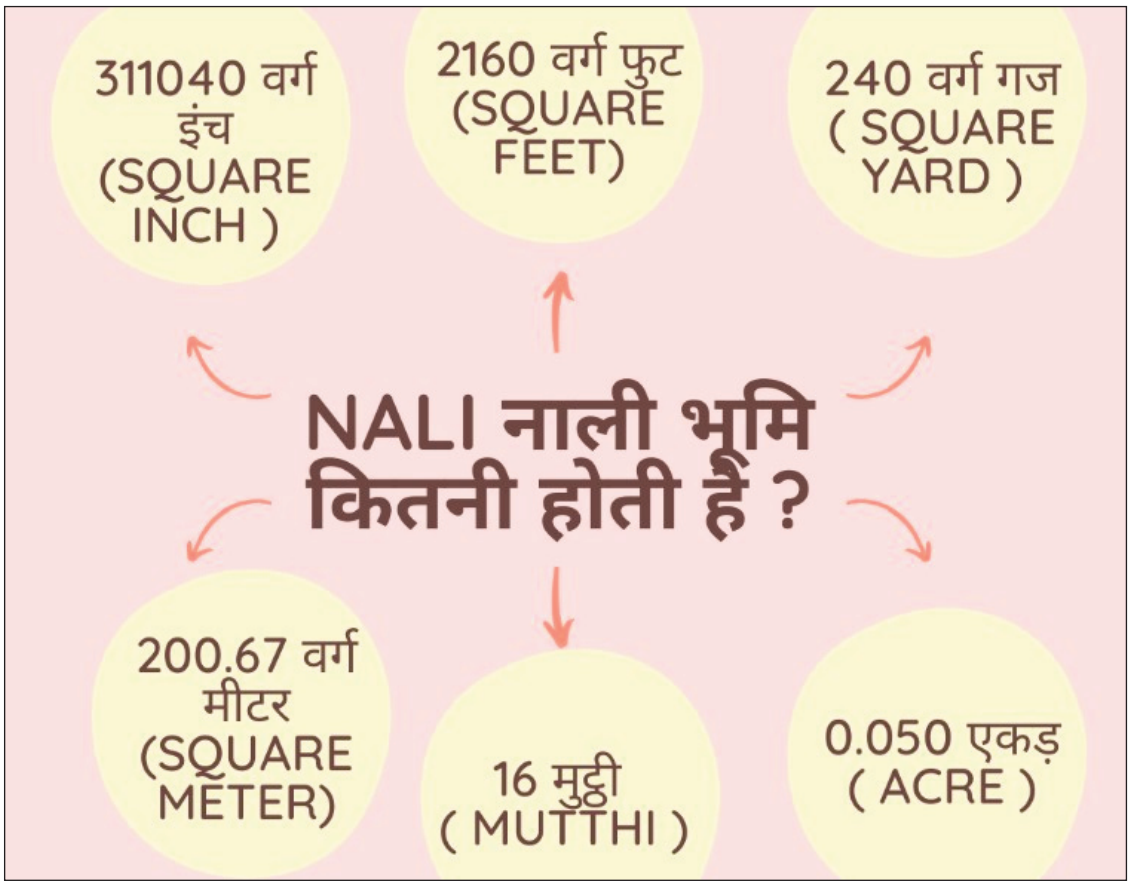

1 फुट = 12 इंच

1 Nali नाली भूमि = 2160 X 12 X 12 = 3,11,040 वर्ग इंच

1 Nali नाली भूमि में 311040 वर्ग इंच (Square inch) होते हैं।

1 Nali नाली भूमि में कितने वर्ग मीटर (Square meter) होते हैं।

1 nali in square meter

1 Nali नाली भूमि में 2160 वर्ग फुट (square feet) होते हैं।

अगर आप नाली की नपाई को समझना चाहते हैं तो पहले ये बता दें कि इस इकाई का उपयोग उत्तराखंड राज्य में किया जाता है ।एक नाली भूमि 20 गज लंबाई और 12 गज चौड़ाई के बराबर होती है। हाँलाकि आप इस तरह से सझिये कि एक नाली भूमि 60 फुट लंबाई और 36 फुट चौड़ाई के बराबर होती है।

1 Nali नाली = 240 वर्ग गज Square Yard या 2160 वर्ग फुट Square feet होता है।

मेंटल हेल्थ को मजबूती देने के लिए इन बातों का जरूर रखें ध्यान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 जुलाई : हमारे शरीर के सभी अंगो के साथ दिमाग का भी हेल्दी होना बहुत जरूरी है। यही कारण है कि आजकल मेंटल हेल्थ की बातें की जाती हैं पर प्रश्न यह है कि हम अपनी मेंटल हेल्थ के लिए क्या करते हैं , मेंटल हेल्थ को बनाए रखने के लिए आपका साथ अच्छा होना जरूरी है। जैसे कोरोना वायरस से बचने के लिए जरूरी है कि हम कोविड पॉजिटिव लोगों से दूर रहे। वैसे ही मेंटल हेल्थ के लिए भी जरूरी है कि आप स्वस्थ लोगों से ही जुड़े रखें। गौर गोपाल दास बताते हैं कि मेंटल हेल्थ को बनाए रखने के लिए फिजिकल रूप से फिट रहना भी बहुत जरूरी है। अच्छे से नींद लेना और रेगुलर एक्सरसाइज करने से हमारी मेंटल हेल्थ को मजबूती मिलती है। डॉक्टर ने बताया कि हमारे जीवन में हर एक चीज बहुत महत्वपूर्ण है। जैसे अच्छी डिग्री, अच्छी नौकरी और बड़ा प्रमोशन लेकिन हेल्थ भी जरूरी है। हमें समझना होगा कि सेहत के साथ भी हम अपने जीवन में मनचाहा मुकाम हासिल कर सकते हैं। और डॉक्टर ये भी बताते हैं कि जैसे हम फिजिकल हेल्थ का चेकअप कराते हैं ठीक उसी तरह मेंटल हेल्थ चेकअप भी बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि आप घर पर बैठे-बैठे भी अपना चेकअप कर सकते हैं।

अगर आपको लो महसूस होता है लेकिन आप एक समय के बाद ठीक हो जाते हैं मतलब आप ठीक हैं। अगर आप आत्मविश्वासी महसूस करते हैं मतलब आप ठीक हैं। आप हर बात पर तनाव और चिंता लेते हैं तो इसका मतलब है कि आप अंदर से बहुत परेशान हैं। आप कितना अकेलापन महसूस करते हैं और आपकी बातें भी आपकी मेंटल हेल्थ दिखाती हैं। मेंटल हेल्थ को बनाए रखने के लिए आपका साथ अच्छा होना जरूरी है।

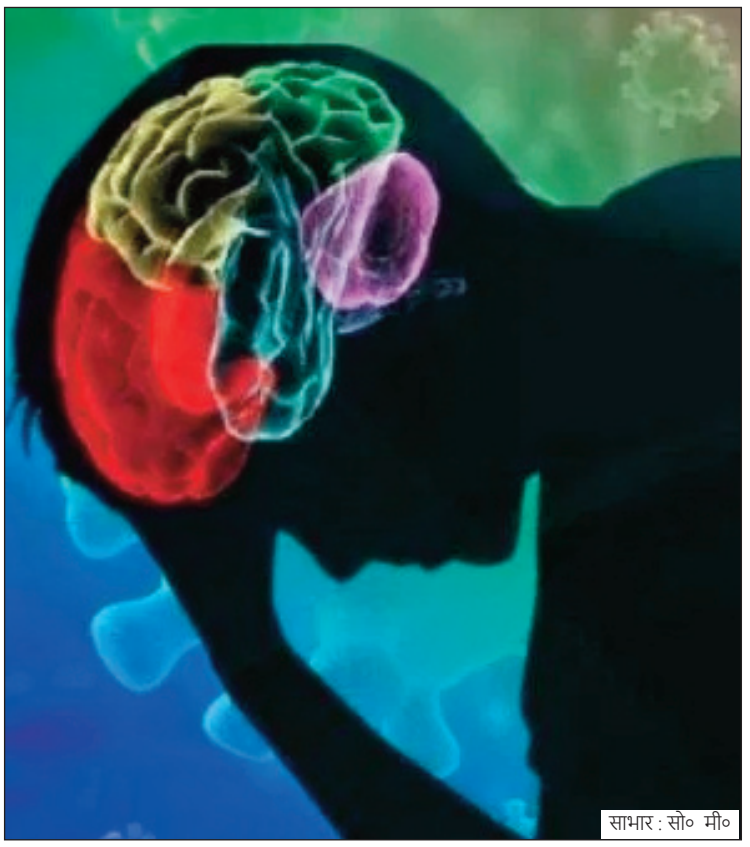
साभार : सो० मी०

जैसे कोरोना वायरस से बचने के लिए जरूरी है कि हम कोविड पॉजिटिव लोगों से दूर रहे। वैसे ही मेंटल हेल्थ के लिए भी जरूरी है कि आप स्वस्थ लोगों से ही जुड़ाव रखें। गौर गोपल दास बताते हैं कि मेंटल हेल्थ को बनाए रखने के लिए फिजिकल रूप से फिट रहना भी बहुत जरूरी है। अच्छे से नींद लेना और रेगुलर एक्सरसाइज करने से हमारी मेंटल हेल्थ को मजबूती मिलती है। फूड भी एक बहुत अहम पहलू है जो आपकी मेंटल हेल्थ को बनाए रखता है। अच्छा खाना खाने से हमें उम्दा पोषण और फिर अच्छे विचार मिलते हैं।

इन सभी बातों के साथ-साथ मेंटल हेल्थ को मजबूती देने के लिए यह भी मायने रखता है कि हम क्या देख रहे हैं और क्या सुन रहे हैं। जरूरी है कि आप फोन और लैपटॉप पर जो भी देख रहे हों वो अच्छा हो, पॉजिटिव हो। शारीरिक के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मजबूत होना भी बहुत जरूरी है और आप इन टिप्स की मदद से मानसिक रूप से भी फिट रह सकते हैं। आपको लेख अच्छा लगा हो तो इसे शेयर जरूर करें व इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

अच्छी नींद का फॉर्मूला : चैन से सोना है तो चिंताओं को लिखें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 जुलाई : दुनियाभर में नींद बड़ी समस्या बनती जा रही है। 8 में से एक इंसान अनिद्रा का शिकार है। रात में नींद न आने से दिन भी खराब हो रहा है और काम करने की क्षमता घट रही है। 'द स्लीप प्रिस्क्रिप्शन' किताब के लेखक और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक कहते हैं, अच्छी नींद इंसान को दयालु और क्रिएटिव बनाती है। यही नहीं, यह अच्छा पेरेंट और बेहतर जीवनसाथी बनाने में भी मददगार है। पैंथर ने किताब में बिना दवा को अच्छी नींद के कई वैज्ञानिक तरीके बताए हैं।

समाधान नहीं, समस्या लिखना काफीः दिन का कोई समय या सोने से पहले किसी निश्चित समय पर ऐसा करने से दिमाग पर वे परेशानियां सोते समय हावी नहीं होंगी। समस्या लिखिए, समाधान लिखने की जरूरत नहीं है। बेडरूम का इंटीरियर बदल सकते हैंः एक ही जगह पर रोज एक ही तरीके से सोने से भी कई बार नींद नहीं आती। सोने की जगह नहीं बदल सकते तो दिशा बदल दीजिए। कमरे का इंटीरियर बदल सकते हैं।

पौष्टिक और हल्का खाना खाएंः शाम को पौष्टिक और हल्का नाश्ता करें। टहलने जाएं। गाना सुनें। अपने बगीचे में पौधों के साथ समय बिताएं। किताबों की अलमारियां साफ करें। परिवार के सदस्यों या फिर अपने दोस्तों से बात करें। कमरे के तापमान का ख्याल रखेंः लैपटॉप-कम्प्यूटर बेडरूम में न रखें। सोते वक्त कमरे को ठंडा और अंधेरा रखें। तेज रोशनी सोने नहीं देती। स्लीप मास्क का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है।

दिमाग को लैपटॉप की तरह मत ट्रीट कीजिए। सोने के लिए दिमाग का शांत होना जरूरी है। काम खत्म होने के बाद खुद को समय दीजिए। अपने पसंदीदा पुराने टीवी शो देखिए। अगर बिस्तर पर जाने के 20 मिनट तक नींद न आए तो उठ जाइए। घर में या छत पर टहलिए। किताबें पढ़िए। चाय-कॉफी से दूरी बनाएं। कम से कम सोने के 6 घंटे पहले तो कोशिश करें कि न ही पीएं।

मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी से शिष्टाचार भेंट की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 जुलाई : नई दिल्ली में हुई मुलाकात में मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने राज्य में शहरी विकास के अंतर्गत चल रही योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही केंद्र सरकार के कुशल नेतृत्व में उत्तराखंड में चल रहे विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि पहली बार स्वच्छ भारत मिशन में उत्तराखंड में 6 पुरस्कार हासिल किए। उन्होंने बताया कि लगातार नगर निकायों को स्वच्छ भारत मिशन के तहत कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

उन्होंने अवगत कराया कि राज्य में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। डॉ अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि राज्य में जी-20 के अंतर्गत तीन कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित हुए, जिसमें शहरी विकास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बताया कि जी-20 के तहत नगर का सुनियोजित विकास हुआ। जिसमें सड़क, फ़साड़ योजना, नालियों की स्थिति, गंगा तट को भव्यतापूर्वक बनाने आदि कार्य किये गए। इस मौके पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी जी से शहरी विकास मंत्री उत्तराखंड सरकार डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने अन्य विषयों को लेकर भी विस्तार से वार्ता की।

युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाला कोई बचेगा नहीं : हरिद्वार एसएसपी

■ हरिद्वार पुलिस की ठोस कार्रवाई से अपराधियों में डर का माहौल , हरिद्वार पुलिस के डर से एक अभियुक्त पूर्व में कर चुका था सरेंडर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 27 जुलाई : उत्तराखंड में भर्ती घोटालों में फरार अभियुक्तों द्वारा लगातार माननीय न्यायालय से जारी वारंटों की अवहेलना करने पर हरिद्वार कनखल पुलिस द्वारा अभियुक्तों के घर पर कुर्की की कार्यवाही की गई। प्रतियोगी परीक्षा जैसे संवेदनशील मामलों में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले अभियुक्तों के खिलाफ शुरुआत से ही एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह द्वारा बेहद सख्त रुख अपनाया गया था। जिसमें 3 दर्जन से अधिक अभियुक्तों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है एवं इनकी गलत तरीके से कमाई गई लगभग 1 करोड़ की अवैध संपत्तियों को भी सील किया गया था।

बीते महीने कनखल पुलिस द्वारा अभियुक्तों को आत्मसमर्पण न करने पर कुर्की की चेतावनी देते हुए अभियुक्तों के घर ढोल नगाड़ों के साथ मुनादी की गई थी एवं माननीय न्यायालय के आदेश के

क्रम में अभियुक्तों के घर पर नोटिस चस्पा किए गए थे। जिससे डरकर एक अभियुक्त भूषण पुत्र बृजपाल ने सरेंडर कर दिया था लेकिन अनिल कुमार अभी भी पुलिस से लगातार बच रहा था।

उत्तर प्रदेश जाकर हरिद्वार पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई से जहां बाकी अभियुक्तों में भी डर का माहौल है तो वहीं कुर्की की ठोस कार्रवाई करने उपरांत हरिद्वार पुलिस द्वारा समाज को खोखला करने वाले ऐसे अभियुक्तों को स्पष्ट संदेश दिया गया है।

डीएम अध्यक्षता में हुई जिला गंगा सुरक्षा समिति कि बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जिला गंगा सुरक्षा समिति कि बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने पूर्व बैठक में दिए गये निर्देशों के क्रम में कृत कार्यवाही की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने खदरी खडक़ माफ सुरक्षा तटबंदीय कार्य की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि वर्षाकाल तक वैकल्पिक व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। ऋषिकेश में नालों के टैपिंग कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त करने पर बताया गया कि टैपिंग कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने 72 सीढ़ी से अतिक्रमण हटाने के निर्देश नगर निगम ऋषिकेश को दिए। उन्होंने नगर निगम ऋषिकेश के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नदी एवं नदी तट तथा खुले में कूड़ा ना डाला जाए इसके लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए तथा खुले में कूड़ा फेंकने वालो पर कार्यवाही करें। उन्होंने ग्रीन बैल्ट विकसित करने हेतु निर्देश दिये जिसके क्रम में अवगत कराया गया कि समृति वन को ग्रीन बैल्ट के अंतर्गत विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को कूडा उन्मूलन अभियान के साथ ही पॉलीथीन पर प्रभावी अभियान चलाने निर्देश दिये। बैठक में समिति के सदस्य द्वारा नमामि गंगे योजना के तहत ऋषिकेश लक्कड़घाट स्थित 26 एमएलडी एसटीपी के निकट भूमि पर खाली पड़े तालाबों में जनहित योजनाओं यथा साहसिक पर्यटन नोकायान एवं तालाबों को मत्स्य पालन की संभावनाओं के दृष्टिगत मुआवना किया जा चुका है जिस पर जिलाधिकारी ने संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संजय झील के विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देशित किया कि कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि टपकेश्वर के समीप सीवर लाईन कार्यों को नमामि गंगे में प्रस्तावित करें साथ ही जिला विकास अधिकारी, जल निगम एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को मौका मुआवना करने के निर्देश दिए।

बैठक में नगर आयुक्त नगर निगम राहुल गोयल, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल,उद्योग एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज गुप्ता, पर्यावरणविद विनोद जुगलान, समिति के सदस्य सुदामा सिंघल, सहायक अभियन्ता सिंचाई, वन विभाग से स्पर्श काला, पेयजल निगम आदि सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष ने करण माहरा पर साधा निशाना

देहरादून। भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष आशा नौटियाल ने कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा पर निशाना साधते हुए उनसे अपने बयान को लेकर माफी मांगने को कहा है। उन्होंने कहा कि माहरा के बयान से कांग्रेस पार्टी का दोहरा चरित्र एक बार फिर उजागर हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष को अपने बयान के लिए सार्वजनिक तौर से माफी मांगनी चाहिए। नौटियाल ने कहा कि गढ़वाल वीरों की भूमि है। कांग्रेस भले ही गढ़वाल में न्याय की यात्रा निकालने का दावा कर रही हो, मगर उसे जन समर्थन नहीं मिला है। यात्रा पूरी तरह से फेल साबित हुई। उन्होंने कहा कि जन समर्थन न मिलने पर कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की बौखलाहट भी उजागर हुई है। यह जगजाहिर है कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी का खाता भी नहीं खुला था। ऐसे में गलत बयान देकर कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजनीतिक बौखलाहट का परिचय दे रहे।

उत्तराखंड के आठ खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे नेशनल स्ट्रेथ् लिफ्टिंग चैंपियशन शिप में

काशीपुर। राजस्थान के उदयपुर में आयोजित नेशनल स्ट्रेथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप में उत्तराखंड के आठ खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। उत्तराखंड स्ट्रेथ लिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव चौधरी ने बताया कि 26 से 30 जुलाई तक उदयपुर में नेशनल चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। चैंपियनशिप के लिए उत्तराखंड से बलवंत पाल, लक्ष्मीकांत, साबिर हुसैन सलमानी, अंकित कुमार, रविंद्र सिंह, मो. अनस, सुमैय्या नायब और मयंक चौधरी का चयन हुआ है। टीम के कोच व मैनेजर मंगत गुप्ता होंगे। एनसी बाबा, डीपी सिंह, सुदेश कुमार, विजेंद्र चौधरी, योगेश जोशी, हरीशत्रिपाठी, मदन ठाकुर आदि ने खिलाडियों को शुभकामनाएं दीं।

छुट्टियों के बाद ड्यूटी को लौट रहा सेना का जवान लापता

काशीपुर। छुट्टियां बिताने के बाद ड्यूटी के लिए लौट रहा सेना का जवान संदिग्ध हालात में लापता हो गया। परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर ढूंढखोज की मांग की है। पुलिस ने जवान की तलाश शुरू कर दी है। गांव तोता बेरिया निवासी रंजीत सिंह पुत्र अवतार सिंह भारतीय सेना में जवान है। वर्तमान में वह जम्मू के सांबा सेक्टर में तैनात है। रंजीत बीते दिनों छुट्टियों में घर आया था। छुट्टियां पूरी होने के बाद गत 22 जुलाई को वह वापस सांबा के लिए रवाना हुआ। परिवार के लोगों के अनुसार वे रंजीत को दोराहा बस पर बैठाकर आए थे, जिसके बाद उसने काशीपुर पहुंचकर परिजनों से फोन पर बात भी की। लेकिन इसके बाद से उसका फोन बंद हो गया। वह अपनी ड्यूटी पर भी वापस नहीं पहुंचा है, जिससे परिजन बेहद चिंतित हैं। परिजनों ने पुलिस से रंजीत की सकुशल वापसी की मांग की है। पुलिस ने खोजबीन में जुट गई है।

पंजाब की तर्ज पर सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली मांगी

काशीपुर। संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसान संगठनों ने पंजाब, यूपी तेलंगाना की तर्ज पर सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने समेत 16 सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। बुधवार को संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले सभी किसान संगठन से जुड़े पदाधिकारी एसडीएम कोर्ट पहुंचे। यहां पर एसडीएम राकेश तिवारी को एक ज्ञापन दिया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के आधार पर सीटू प्लस 50 प्रतिशत फार्मूला के अनुसार किसानों की सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और खरीद की गारंटी का कानून बनाया जाए, किसानों के सभी ऋण माफ किए जाएं, विद्युत संशोधन विधेयक 2022 को तत्काल वापस लिया जाए, पंजाब, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना राज्यों में सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली दी जा रही है उसी की तर्ज पर किसानों को बिजली मुफ्त दी जाए, उत्तर प्रदेश लखीमपुर खीरी जिले में 4 किसानों और एक पत्रकार की हत्या के मुख्य साजिशकर्ता अजय मिश्रा को कैबिनेट से बर्खास्त कर जेल भेजा जाए, लखीमपुर खीरी में बेगुनाह किसानों पर किए गए झूठे मुकदमे वापस कर घायल के परिवार को मुआवजा देने का वादा पूरा किया जाए, सरकार सूखा बाढ़ अतिवृष्टि आदि से होने वाले नुकसान को कवर करने के लिए सभी फसलों के लिए व्यापक और प्रभावी फसल बीमा योजना लागू करें तथा केंद्र सरकार बाढ़ भूस्खलन से तबाही को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें, सभी मध्यम छोटे और सीमांत पुरुष और महिला किसानों और खेतिहर मजदूरों के लिए 10000 रूपये प्रति माह किसान पेंशन योजना लागू की जाए समेत 16 सूत्रीय मांग पत्र भेजा गया। इन लोगों ने तत्कान इन मांगों को पूरा करने की मांग की है। यहां भारतीय किसान यूनियन टिकैत, भारतीय किसान यूनियन उगराहां, भूमि बचाओ मुहिम, ऑल इंडिया किसान सभा, क्रांतिकारी किसान मंच, किसान संघर्ष समिति, ऑल इंडिया महा किसान सभा, ऑल इंडिया किसान सभा के पदाधिकारी मौजूद रहे।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

आपके ईमेल से भी हो सकती है ठगी ! पढ़िए क्या है मामला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साभार:सो.मीडिया

ब्यूरो रिपोर्ट , 27 जुलाई , अगर आप सोच रहे हैं कि आपके ऑफिसियल ईमेल और वेब एड्रेस सेफ हैं तो ज़रा ठहरिये जनाब ... अब स्कैमर फॉर्मल या ऑफिशियल काम के लिए इस्तेमाल होने वाले ईमेल पर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं. ऐसा ही कुछ हुआ जब महाराष्ट्र के पुणे में स्तिथ एक इंजीनियरिंग सप्लाई फर्म के साथ लाखों की धोखाधड़ी हो गई. स्कैमर्स ने सिर्फ एक शब्द बदलकर इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दिया... आइए आपको इस बारे में विस्तार से बताएं ताकि आप सुरक्षित रहें...

असल में इस साल के शुरुआती महीने में यानि जनवरी और फरवरी के बीच, पुणे बेस्ड इल इंजीनियरिंग सप्लाई फर्म ने फ्रांस स्थित Pro-Forma नामक एक फर्म को ऑर्डर दिया था, इस ऑर्डर की कीमत 51 हजार यूरो थी. इसके लिए पुणे की कंपनी ने 24,000 EUROS की पेमेंट भी कर दी, यानि करीब 22 लाख रुपये दे दिए थे. इस ऑर्डर को ईमेल के माध्याम से भेजा गया था. हालांकि ऑर्डर देने के कई दिनों बाद भी डिलिवरी नहीं हुई, तो कंपनी ने डिलिवरी को लेकर फ्रांस स्थित कंपनी से पूछताछ की, मगर तभी पता चला कि फ्रांस स्थित कंपनी को तो अब तक उनका पेमेंट रिसीव ही नहीं हुआ है. इसलिए अभी तक उनका ऑर्डर प्लेस ही नहीं किया गया है. तब यहां पहली बार इस बड़े स्कैम का खुलसा हुआ.

तो ऐसे हो गई लूट की घटना ...

पुणे बेस्ड कंपनी ने बताया कि उन्होंने इस साल की शुरुआत में फ्रांस स्थित कंपनी Pro-Forma को ऑर्डर दिया था. ये ऑर्डर ईमेल पर दिया गया था, जिसे कंपनी ने इनवॉयस भेजकर कंफर्म भी कर दिया था. इसके कुछ ही देर बाद पुणे की कंपनी को एक ईमेल मिलता है, जिसमें बताया जाता है कि वह अपने फ्रांस स्थित रेगुलर बैंक अकाउंट और स्विफ्ट कोड को एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं, लिहाजा उन्हें नए बैंक अकाउंट की डिटेल्स शेयर की और उसमें पेमेंट करना को कहा. यहीं से इस बड़े स्कैम की शुरुआत हुई.

कंपनी ने भी इसपर भरोसा करके 22 लाख रुपये का पेमंट कर दिया, स्कैम की भनक लगने के बाद मालूम चला कि असल में धोखाधड़ी करने वाले ने फ्रांस की कंपनी की ईमेल आईडी में सिर्फ एक कैरेक्टर बदल दिया था, जिस वजह से ये धोखाधड़ी हो गई. तो ऐसे केस से आप भी लीजिये सबक और सतर्कता पर दीजिये पहले से ज्यादा ध्यान क्योंकि ठगी के ये नए तरीके भी साइबर ठगों ने अपना लिए हैं।

क्या आप भी बारिश में आटा गूंथकर फ्रिज में रख देते हैं? सावधान हो जाएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साभार:सो.मीडिया

ब्यूरो रिपोर्ट , 27 जुलाई , इन तमाम चीजों में शुमार है फ्रिज में रखा हुआ गूंथा आटा, जो इस कदर आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है जिसका आपको अंदाजा भी नहीं. ऐसे में आइये जानें कि क्या है आटा गूंथकर फ्रिज में रखकर दोबारा उसका इस्तेमाल करने से क्या है इसके नुकसान... बरसात में संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका कई गुना ज्यादा होती है, ऐसे में सेहत का अच्छी तरह ध्यान रखना ही हमारे बॉडी का मेटाबॉलिज्म को स्ट्रोग कर सकता है, जिससे हमारी सेहत और शरीर दोनों तंदुरुस्त रहता है. इसलिए इस मौसम में जरूरी है कुछ चीजों के सेवन से परहेज...

इन तमाम चीजों में शुमार है फ्रिज में रखा हुआ गूंथा आटा, जो इस कदर आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है जिसका आपको अंदाजा भी नहीं. ऐसे में आइये जानें कि क्या है आटा गूंथकर फ्रिज में रखकर दोबारा उसका इस्तेमाल करने से क्या है इसके नुकसान...

अभी जान लीजिये क्या है खतरा ...

1. आटा हो सकता है खराबः अगर आप आटा गूंथकर फ्रिज में रख देते हैं, तो इसके खराब होने का खतरा बना रहता है, जिससे आपको एसिडिटी और कब्ज जैसी परेशानी पेश आ सकती है. दरअसल हमने देखा है कि कई बार गूंथा आटा बहुत दिनों तक इस्तेमाल में लिया जाता है. ऐसे में हम इसे खराब होने से बचाने के लिए अक्सर फ्रिज में रख देते हैं, मगर असल में यहीं से इस आटे के खराब होने का खतरा बढ़ जाता है. दरअसल आटे को फ्रिज में स्टोर करने से इसमें बैक्टीरिया पैदा हो सकते हैं, जो आपको फूड पॉयजनिंग का शिकार भी बना सकते हैं.

2. बैक्टीरिया का खतराः बरसात का ये मौसम लिस्टेरिया मोनोसाइटोजेन्स नाम का बैक्टीरिया का खतरा बढ़ाता है, जिससे आपको कई तरह की गंभीर बीमारियां हो सकती है. दरअसल कई रिसर्च ये बताती है कि कम तापमान में बैक्टीरिया ज्यादा पैदा होते हैं. ऐसे में अगर आप आटे को फ्रिज में रखकर उसे सुरक्षित करना चाहते हैं, तो ये और भी ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है. ऐसे में सही तरीका है, कुछ भी फ्रिज में रखने से पहले उसे अच्छी तरह साफ कर ले.

3. ये है सही तरीकाः चलिए आपको बताते हैं आटा फ्रिज में रखने का क्या है सही तरीका, दरअसल अगर आप इस्तेमाल के बाद आटा फ्रिज में रखना चाहते हैं, तो उसे गूंथते वक्त पानी कम डालें. क्योंकि आटे में पानी की मात्रा ज्यादा होने से वो खराब हो सकता है. साथ ही ध्यान रखें कि गूंथे आटे को कंटेनर या जिप लॉक बैग में भरकर फ्रिज में रखें.

न छत न दीवार, इस होटल में हजारों लोग कर रहे हैं रुकने का इंतजार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साभार:सो.मीडिया

ब्यूरो रिपोर्ट 27 जुलाई : किसी हसीन और सुहाने सफर के बाद रात में थककर जब घर या होटल में पहुंचते हैं तो सोना बहुत ही अच्छा लगता है। अधिकतर लोग दूसरे शहरों में जाकर एक अच्छा होटल बुक करते हैं और ये सोचते हैं कि पूरा दिन घूमने के बाद रात को चैन की नींद सोना है। विश्व में कुछ ऐसे होटल मौजूद है जो किसी न किसी खास वजह से चर्चा के केंद्र में रहते हैं। लेकिन होटल के कमरे में न दीवार हो न छत हो और न ही बाथरूम हो, तो फिर आप क्या करेंगे? एक ऐसा ही होटल है जो आजकल चर्चाओं में बना हुआ है। इस लेख में हम आपको इस अनोखे होटल के साथ-साथ विश्व के कुछ अन्य अनोखे होटल्स के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं।

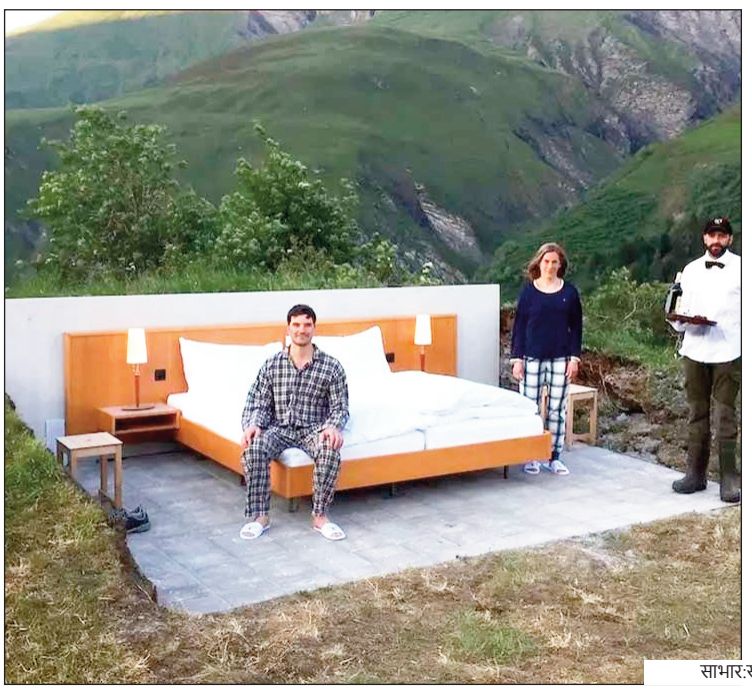

जी हां, बिना छत और बिना दीवार वाला होटल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। खुले आकाश के नीचे बिस्तर लगा हुआ है और यहां तक कि बाथरूम भी नहीं है और इसके लिए 4-5 मिनट पैदल चलाकर कुछ दूर जाना पड़ता है। इस अजीब होटल में रूम सर्विस भी मौजूद है और एक अनोखा टीवी भी मौजूद है जी हां, बिना छत और बिना दीवार वाला होटल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। खुले आकाश के नीचे बिस्तर लगा हुआ है और यहां तक कि बाथरूम भी नहीं है और इसके लिए 4-5 मिनट पैदल चलाकर कुछ दूर जाना पड़ता है। इस अजीब होटल में रूम सर्विस भी मौजूद है और एक अनोखा टीवी भी मौजूद है। इस होटल का किराया जानकर आप भी कुछ समय के लिए सोच में पड़ जाएंगे। कहा जा रहा है कि यहां एक रात ठहरने के लिए लगभग 15 हजार रूपये के आसपास का किराया देना पड़ता है। कई लोगों का मानना है कि 20 हजार से भी अधिक है। इस अनोखे होटल के बारे में बोला जा रहा है कि यहां ठहरने के लिए लगभग 9 हजार से भी अधिक लोग अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। इस होटल के बारे में कहा जा रहा है कि इसे स्विट्जरलैंड के 2 आर्टिस्ट फ्रैंक और रिकलिन ने बनाया है और दिन पर दिन सैलानियों में कुछ अधिक ही डिमांड बढ़ रही है।

अद्भुत है प्रगति मैदान का कन्वेंशन सेंटर, जानिए खास बातें

साभार: गूगल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 27 जुलाई , प्रगति मैदान में स्थित इंटरनेशनल ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन (ITPO) कॉम्प्लेक्स नए भारत की नई तस्वीर को बयां कर रहा है. ITPO कॉम्प्लेक्स में बना कॉन्फ्रेंस हॉल दुनिया के टॉप टेन कॉन्फ्रेंस हॉल में शामिल है. इसमें G-20 बैठक का आयोजन किया जाएगा. ITPO कॉम्प्लेक्स करीब 123 एकड़ में फैला है और इसे लगभग 2,700 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है.

इंटरनेशनल ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन कॉम्प्लेक्स जर्मनी में हनोवर प्रदर्शनी केंद्र और शंघाई में राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कॉन्फ्रेंस सेंटर को टक्कर देगा. इसे अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, व्यापार मेलों, सम्मेलनों और अन्य प्रतिष्ठित कार्यक्रमों की मेजबानी करने के लिए डिजाइन किया गया है. तो चलिए आपको बताते हैं कि ये कॉम्प्लेक्स इतना खास क्यों है. ITPO कॉम्प्लेक्स की दीवारों पर पारंपरिक कला के रंग देखने को मिलते हैं. दर्शाए गए विषयों में 'सूर्य शक्ति' शामिल है, जो सौर ऊर्जा की दिशा में भारत के प्रयासों पर प्रकाश डालता है. 'पंच महाभूत' पांच तत्वों आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को दर्शाते हैं.प्रगति मैदान कन्वेंशन सेंटर डिजाइन खास है और इसे तैयार करते समय साउथ कोरिया, अमेरिका, जर्मनी और चीन समेत उन देशों की स्टडी की गई, जहां इस तरह की सुविधाएं हैं. मीटिंग, कॉन्फ्रेंस और प्रदर्शनियों के लिए ये भारत का सबसे बड़ा स्थान है.अब तक दिल्ली के विज्ञान भवन में ही बड़ी बैठकें होती थीं. इसे 1956 में बनाया गया था. उभरते हुए नए भारत की जरूरतों को देखते हुए आईटीपीओ कन्वेंशन सेंटर को तैयार किया गया है. कन्वेंशन सेंटर के लेवल 3 में 7,000 लोगों के बैठने की क्षमता है, जबकि ऑस्ट्रेलिया के सिडनी ओपेरा हाउस की करीब 5,500 लोगों के ही बैठने की क्षमता है.

ज्यादा चिल्लाने से हो सकती है मौत ! जानिए वजह

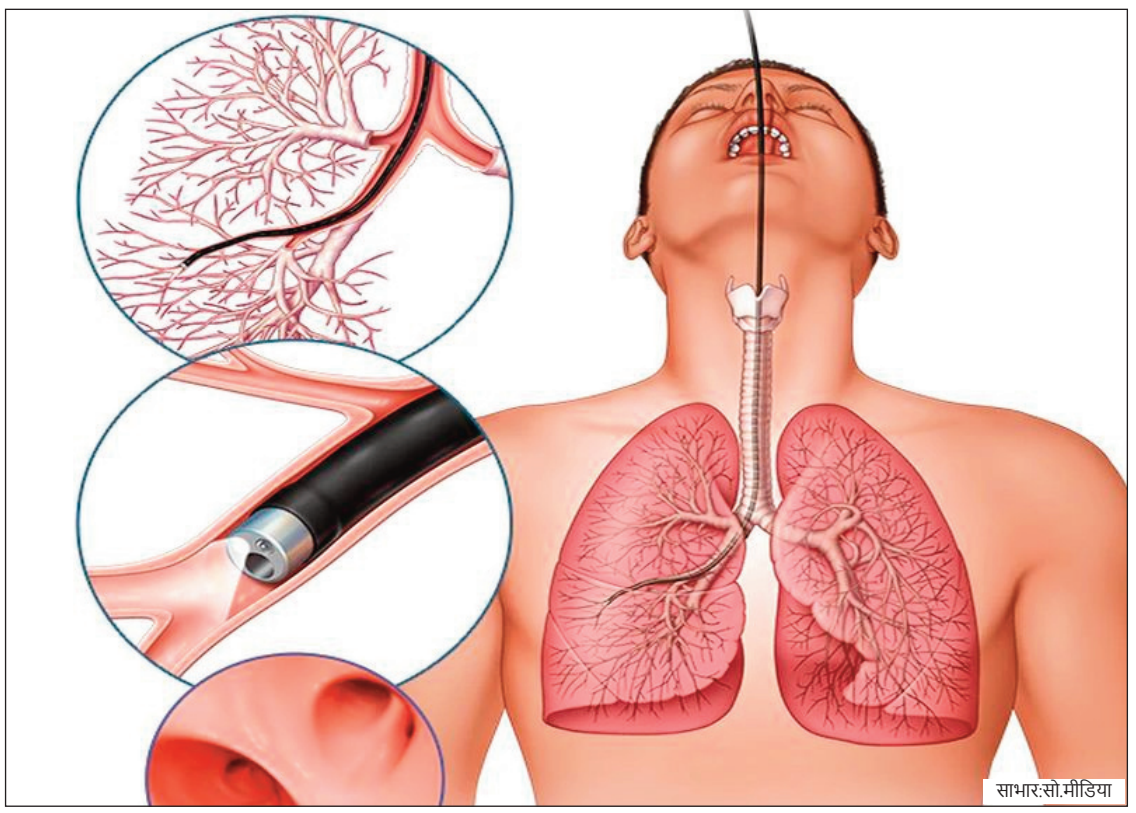

साभार:सो.मीडिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 27 जुलाई , क्या आपको पता है कि खुशी से चिल्लाना भी जानलेवा हो सकता है? चीन में ऐसा ही एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है. खुशी से चिल्लाने की वजह से यहां एक लड़के का फेफड़ा ही फट गया. बड़ी मुश्किल से डॉक्टरों ने उसकी जान बचाई.एम्स दिल्ली में क्रिटिकल केयर डिपार्टमेंट के डॉक्टर्स ने मीडिया को बताया कि तेज चिल्लाने से लंग्स के फटने और हार्ट अटैक का खतरा रहता है.ऐसा इसलिए होता है क्योंकि चिल्लाने के दौरान व्यक्ति सांस तेजी से खींचता है.

इस कारण फेफड़े जरूरत से ज्यादा एक्सपैंड हो जाते हैं और उनमें हवा भर जाती है. जिससे लंग्स में मौजूद छोटी-छोटी झिल्ली पर प्रेशर बढ़ता है और उनमें छेद हो जाता है. जिससे झिल्ली फट जाती है. इस वजह से फेफड़ों में सही तरह से ऑक्सीजन नहीं जा पाती जिससे सांस लेने में परेशानी हो जाती है, जो मौत का कारण बन सकती है. इस मेडिकल कंडीशन को न्यूमोथोरैक्स कहते हैं.

क्या होती है न्यूमोथोरैक्स बीमारी

डॉ सिंह बताते हैं कि न्यूमोथोरैक्स बीमारी के होने के दो कारण है. पहला प्राइमरी और दूसरा सेकेंडरी है. प्राइमरी यानी अगर किसी व्यक्ति को पहले से फेफड़ों की कोई बीमारी नहीं है तो किसी फिजिकल एक्टिविटी अचानक से लंग्स में हवा भर जाती है और छोटी-छोटी गुब्बारे जैसी झिल्ली फट जाती है.सेकेंडरी न्यूमोथोरैक्स उन लोगों को होती है जिनको पहले से ही अस्थमा या सीओपीडी जैसी कोई गंभीर बीमारी होती है. ऐसे लोगों में न्यूमोथोरैक्स होने का खतरा ज्यादा रहता है. इनमें भी ये बीमारी वैसी ही परेशानी करती है जैसा प्राइमरी न्यूमोथोरैक्स में होता है. ऐसे मरीजों को आईसीयू में भर्ती करने की जरूरत पड़ती है.

हार्ट अटैक का भी रहता है खतरा

राजीव गांधी हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट में डॉ. बताते हैं कि न्यूमोथोरैक्स के कारण ब्लड प्रेशर अचानक से गिरने लगता है. इसका सीधा असर हार्ट के फंक्शन पर पड़ता है. ऐसे में हार्ट अटैक या फिर कार्डियक अरेस्ट आने का खतरा बढ़ जाता है. शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी दिल के फंक्शन पर असर पड़ता है. इससे मरीज की नब्ज धीरे-धीरे गिरने लगती है और वह बेहोश हो जाता है. इस स्थिति में तुरंत इलाज की जरूरत पड़ती है. देरी होने से मौत का खतरा तक रहता है.

तुरंत ऑपरेशन की जरूरत पड़ती है

डॉ बताते हैं कि लंग्स में अधिक हवा भरने पर मरीज के ऑपरेशन की जरूरत होती है. इस सर्जरी को आईसीडी कहते हैं. इसके जरिए तुरंत हवा को निकाला जाता है. जब दिखता है कि हवा निकलनी बंद हो गई है तो उस एरिया को सील किया जाता है. कुछ मामलों में मरीज को कई तरह की दवाएं भी दी जाती है.

टीम इंडिया में वापस लौटते ही जसप्रीत बुमराह बन सकते T20 कप्तान

साभार:सो.मीडिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 जुलाई : वेस्टइंडीज दौरे के बाद टीम इंडिया आयरलैंड दौरे पर जाएगी। इस दौरे पर भारत को 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। रिपोर्ट्स है कि इस दौरे पर हार्दिक पंड्या सहित तमाम सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया जाएगा। ऐसे में एक सवाल है, जिसका हर कोई जवाब जानना चाहता है- क्या T20 में भारत को नया कप्तान मिलेगा? क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो जसप्रीत बुमराह वापसी करेंगे और वही टीम के कप्तान हो सकते हैं। दरअसल, द्रविड़ ने एशिया कप की तैयारी के लिए बेंगलुरु में एक हफ्ते के कैंप का सुझाव दिया है। 6 टीमों की इंट्रा-कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप के लिए टीम के श्रीलंका जाने से पहले शिविर 24-25 अगस्त को शुरू हो सकता है। 30 अगस्त से 17 सितंबर तक चलने वाली चैंपियनशिप में भारत का पहला मैच 2 सितंबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ है। रिपोर्ट्स यह भी है कि द्रविड़ और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को इस कैंप के लिए 18-23 अगस्त को आयरलैंड टी20 सीरीज से आराम दिया गया है।

इस बीच भारतीय टीम बारबाडोस पहुंच गई है, जहां वह 27 और 29 जुलाई को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन में से दो वनडे मैच खेलेगी। टीम में पांड्या, संजू सैमसन, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव और उमरान मलिक शामिल हो गए हैं, जिन्हें वनडे के लिए चुना गया है। यशस्वी जायसवाल को छोड़कर टेस्ट विशेषज्ञ आर अश्विन, अजिंक्य रहाणे और नवदीप सैनी भारत के लिए रवाना हो गए हैं। जायसवाल यहीं रुके हैं, क्योंकि वह टी-20 टीम का हिस्सा हैं। पांच मैचों की टी20 सीरीज 3 अगस्त से 13 अगस्त 2023 तक खेली जानी है।

ग्राम प्रधान ने लगाया पुलिसकर्मी पर अभद्रता का आरोप

पिथौरागढ़। बड़ेत सानीगांव के ग्राम प्रधान मंगला प्रसाद ने एक पुलिस कर्मी पर अभद्रता का आरोप लगाया है। बुधवार को ग्राम प्रधान सहित अन्य लोगों ने थल थाने पहुंचकर उपनिरीक्षक बहादुर सिंह नपलच्याल को ज्ञापन दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बीते 25 जुलाई को 112 की किसी सूचना के बाद थाने में कार्यरत पुलिस कर्मी सहित पीआरडी जवान गांव पहुंचे। आरोप है कि पुलिस कर्मी ने उनके साथ अभद्रता की। इधर प्रधान संगठन ने भी ग्राम प्रधान के साथ हुई अभद्रता पर आक्रोश जताया है। संगठन का कहना है कि अगर संबंधित पुलिस कर्मी के खिलाफ जल्द ही कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। इधर पुलिस कर्मी ने ग्राम प्रधान के आरोप को निराधार बताया है। कर्मी का कहना है कि 112 पर आई महिला की सूचना पर वह गांव गए। उन्होंने प्रधान के साथ अभद्रता नहीं की।

अगर आप भी करते हैं चेक से पेमेंट तो जान लें ये चार बातें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 जुलाई : आज के समय में आप देखेंगे, तो लगभग हर एक व्यक्ति का बैंक खाता होता है। इस बैंक खाते में लोग अपनी मेहनत की कमाई को रखते हैं। कोई नौकरी करके पैसे कमाता है, तो कोई अपना काम धंधा करके आदि। बैंक में पैसे रखने के अपने फायदे भी हैं, जिसमें से एक है आपके पैसे पर मिलने वाला ब्याज। इसके अलावा बैंक खाताधारक को लॉकर की सुविधा, नेट बैंकिंग की सुविधा, एटीएम कार्ड जैसी कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं। इसी तरह एक सुविधा है चेक बुक, जिससे आप किसी को भी जब चाहें तब पेमेंट कर सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी चेक के जरिए पेमेंट करते हैं, तो आपके लिए कुछ बातों को जानना जरूरी हो जाता है। वरना आप दिक्कत में भी पड़ सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इस बारे में।

साभार:सो.मीडिया

नंबर 1अगर आप चेक से पेमेंट करते हैं, तो एक बात को अच्छे से जान लें कि कभी भी खाली चेक पर साइन करके किसी को न दें। अगर आप ऐसा करते हैं, तो कोई भी आपके इस चेक के जरिए अपने मनमुताबिक पैसे भरकर आपके अकाउंट से पैसे निकाल सकता है।नंबर 2आप जब भी किसी को चेक के जरिए पेमेंट कर रहे हैं, तो ध्यान रखें कि अमाउंट लिखते समय बीच में या आखिरी में खाली जगह न छोड़ें। उदाहरण के लिए अगर आपने 20000 रुपये लिखा है, तो 20000 के बाद /- ये निशान लगा दें। कुछ ऐसे 20000/-

नंबर 3कई बार आप अपनी कंपनी में या किसी अन्य व्यक्ति या संस्था को कैंसिल चेक देते हैं। ऐसे में अगर आप भी किसी को कैंसिल चेक दे रहे हैं, तो हमेशा एमआईसीआर बैंड को फाड़ दें और फिर पूरे चेक के ऊपर लाइन खींचकर कैंसिल लिख दें।नंबर 4कई लोग एडवांस में चेक दे देते हैं। ऐसा करना गलत तो नहीं है, पर आपको ये सुनिश्चित करना चाहिए कि जिस तारीख का आपने चेक दिया है उस दिन आपके बैंक खाते में पैसे हो। अगर ऐसा नहीं होता है तो चेक बाउंस हो जाता है और फिर बैंक आप पर फाइन लगा देता है। वहीं, सामने वाला व्यक्ति आप पर बाउंस चेक का केस तक कर सकता है, जिससे आप दिक्कत में पड़ सकते हैं।,

बैंकिंग फ्रॉड : अकाउंट से चोरी करने वाले ऐप से सावधान, वरना हो जायेगा अकाउंट खाली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 जुलाई : बैंकिंग फ्रॉड में बहुत तेजी से उछाल आया है. डिजिटल ट्रांजैक्शन में जिस तरह तेजी आई है, डिजिटल बैंकिंग स्कैम के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है. फ्रॉड करने वाले रोजाना नए तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं. हाल फिलहाल मोबाइल ऐप्स की मदद से अकाउंट खाली करने का प्रचलन बढ़ गया है. इसमें आपके मोबाइल नंबर पर मैसेज की मदद से एक लिंक शेयर किया जाता है. आप जैसे ही इस लिंक पर क्लिक करते हैं आपका अकाउंट खाली हो जाता है.

साभार:सो.मीडिया

Bank ने अपने ग्राहकों को ईमेल भेजकर आगाह किया है. इसमें कहा गया है कि उन ऐप्स से बचकर रहें जो आपके अकाउंट से पैसे चुराते हैं. बैंक का कहना है कि 'AnyDesk' की मदद से बैंकिंग फ्रॉड के मामलों में काफी उछाल आया है. अगर आपके फोन पर भी 'AnyDesk' का मैसेज या लिंक शेयर किया जाता है तो भूल से भी इसपर क्लिक नहीं करें. यह आपके फोन से बैंक डीटेल चुरा लेता है और फिर अकाउंट खाली कर दिया जाता है. बैंक ने अपने ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग फ्रॉड से बचने के लिए खास टिप्स दिए हैं.अगर आपको किसी नंबर से कॉल आता है और कहा जाता है कि अकाउंट का KYC अपडेट करना है तो ऐसे कॉल्स को एंटरटेन नहीं करना है. ये लोग पहले KYC अपडेट करने के लिए कहते हैं. फिर मैसेज की मदद से भेजे गए लिंक पर डिटेल शेयर करने के लिए कहा जाता है. कई बार तो AnyDesk और Team Viewer की मदद से रिमोट कंट्रोल की भी बात करते हैं. इन लोगों से बचकर रहें. फ्रॉड कॉल करने वाले आपसे 9 डिजिट का कोड मांगते हैं. इस कोड को नहीं शेयर करना है. यह आपका कस्टमर आईडी नंबर होता है. किसी भी सूरत में यह जानकारी नहीं शेयर करनी है.

खुद को बैंक एंप्लॉयी बता सकते हैंयह संभव है कि कॉल करने वाले खुद को बैंक के एंप्लॉयी बताएं और KYC अपडेट करने की जगह किसी और काम की बात करें. अगर वे आपसे आपका बैंक अकाउंट डिटेल, कस्टमर आईडी नंबर जैसी जानकारी मांगते हैं तो यह नहीं शेयर करना है , डेबिट कार्ड डिटेल, सीवीवी पिन, एटीएम पिन , ओटीपी, मोबाइल पिन, मोबाइल ऐप्लिकेशन एक्टिवेशन मैसेज की जानकारी साझा नहीं करना है.थर्ड पार्टी मोबाइल ऐप से बचेंथर्ड पार्टी मोबाइल ऐप जैसै Anydesk / Quick Support को ना तो डाउनलोड करना है और ना ही लॉगिन करना है.

क्लच पेडल पर पैर रखकर गाड़ी चलाने से होते हैं ये नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 जुलाई : हम अपनी डेली लाइफ में गाड़ी चलाते समय कई ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिसके चलते गाड़ी के इंजन की लाइफ कम हो जाती है। इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं गाड़ी चलाते समय क्लच के सही उपयोग के बारे में, क्योंकि बहुत से लोग गलत तरीके से क्लच पेडल का इस्तेमाल करते हैं, जिसके चलते उन्हें भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

ट्रांसमिशन के अंदर एक लीवर होता है जिसे क्रॉस शाफ्ट के नाम से जाना जाता है। इसका काम क्लच पेडल पर डाले गए दबाव को ट्रांसफर करना होता है। जब क्रॉस शाफ्ट खराब हो जाता है तो इससे पैडल को नीचे धकेलने में परेशानी हो सकती है। इसके कारण आपको क्लच प्रेस करने में दिक्कत आती है। क्रॉस शाफ्ट अधिकतर समय क्लच पेडल पर पैर रखकर कार चलाने की बुरी आदतों के कारण खराब होते हैं।

क्लच प्लेट पर अधिक दबाव बनने के कारण वे जल्दी खराब हो जाते हैं, इससे गाड़ी में ओवरहीटिंग की भी समस्या बनी रहती है। क्लच प्लेट खराब होने के बाद लोग इसके ऊपर हजारों रुपये खर्च कर देते हैं। क्लच पेडल पर पैर रखकर गाड़ी चलाने से इंजन पर दबाव पड़ता है, यही कारण है कि गाड़ी माइलेज कम देती है। इसलिए सलाह दी जाती है कि क्लच का इस्तेमाल केवल जरूरत पड़ने पर ही करें। अगर आप अपनी गाड़ी को ऑफ-रोड पर लेकर जा रहे हैं तो वहां क्लच का सही इस्तेमाल करें। ऑफ-रोडिंग के दौरान कई ऊबड़-खाबड़ सड़कें मिलती हैं, जहां ड्राइवर को थोड़ा सचेत रहकर गाड़ी चलानी होती है।

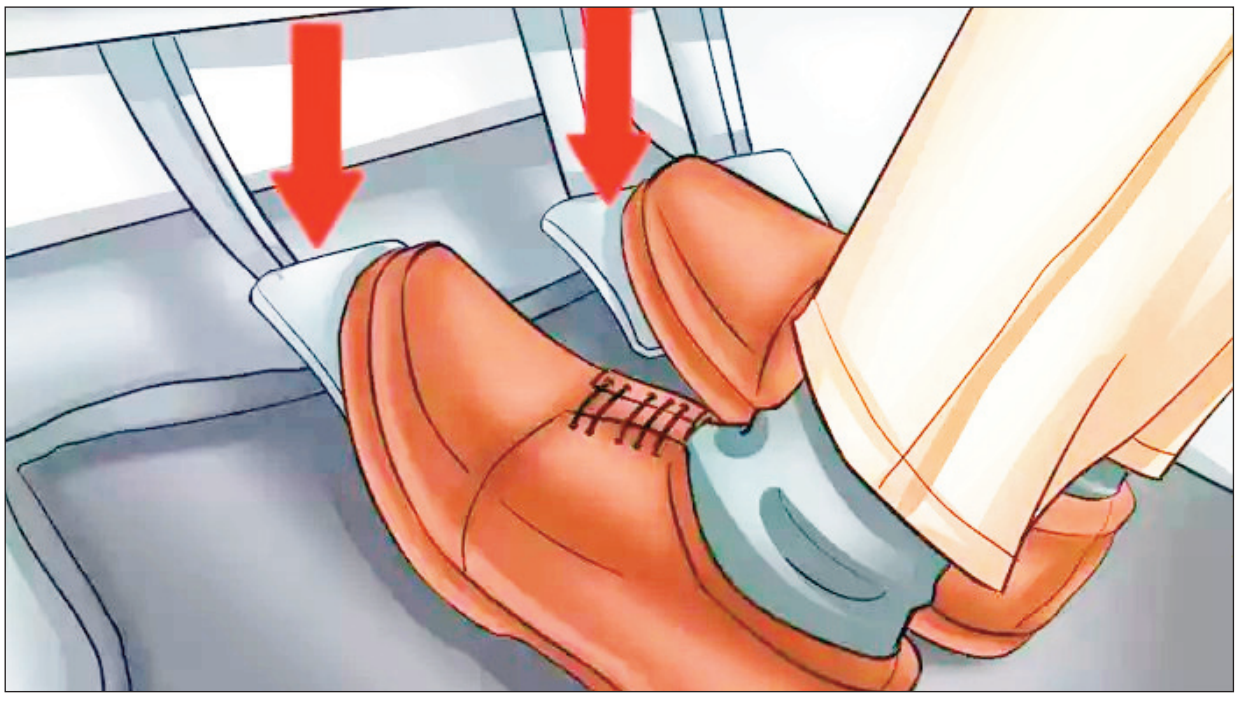

रुद्रपुर में कारगिल विजय दिवस को शौर्य दिवस के रूप मे मनाया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 27 जुलाई 1999 मे हुए कारगिल युद्ध के शहीदो की स्मृति मे कारगिल विजय दिवस को शौर्य दिवस के रूप मे पुलिस लाइन स्थित षहीद स्मारक स्थल मे श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा, मेयर रामपाल सिंह, जिलाधिकारी उदयराज सिंह, मुख्य विकास अधिकारी विषाल मिश्रा, एसएसपी मन्जूनाथ टीसी, पूर्व विधायक राजेष षुक्ला, पूर्व दर्जा राज्यमंत्री सुरेष परिहार, एसपी सिटी मनोज कत्याल, उपजिलाधिकारी मनीश बिश्ट, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी आरएस धपौला, पुलिस विभाग एवं विभिन्न विभागो के अधिकारियो, जन-प्रतिनिधियो व भूतपूर्व सैनिको द्वारा कारगिल युद्ध मे षहीद हुए जनपद के हवलदार पदम राम व राइ-फलमैन अमित नेगी के चित्रो पर पुश्पचक्र अर्पित किये।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कारगिल दिवस के षहीदो को कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि सैनिक कठिन व विशम भौगोलिक परिस्थितयो मे भी सीमा पर देष की रक्षा कर रहे है, हम उनके परिजनो को सम्मान दें साथ ही सैनिको का कोई भी कार्य हो उसे प्राथमिकता से पूर्ण करना चाहिये। जिन वीर सैनिको ने देष की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर किये, उन्हें याद करने के साथ उनकी कुर्बानी को भी याद रखना चाहिये। उन्होने कहा वीर षहीदो के परिवारो के प्रति हमारा जो दायित्व बनता है, उसे हमे पूरा करना चाहिये ताकि वे अपने को गौरवान्वित महसूस करें यही उन वीर सपूतो को जिन्होने देष की रक्षा के लिये अपने प्राणों की आहूती दी उनको सच्ची श्रद्धांजली होगी।

क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा ने कहा कि कारगिल दिवस को शौर्य दिवस के रूप में मनाते हैं, यह देष के सैनिकों के शौर्य एवं अदम्य साहस का प्रतीक है। कारगिल युद्ध में राज्य तथा देष के वीर सपूतों ने अपने अदम्य साहस की जो इबारत लिखी वह भारतीय सेना के इतिहास का गौरवशाली हिस्सा है। कारगिल में टोलोलिंग पर्वत चोटी से लेकर द्रास सेक्टर तक दुश्मनों को परास्त करने में उत्तराखण्ड के 75 वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी। इस युद्ध में जनपद ऊधमसिंह नगर के दो वीर सपूतों, हवलदार पदम राम तथा राइफलमैन अमित नेगी, ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होने कहा कि भौगोलिक व मौसम की विशम परिस्थितियों में देष के सैनिको का शौर्य , साहस और संघर्श की क्षमता के आधार पर देष विजयी हुआ। उन्होने कहा कि यह भारत के इतिहास की बहुत बड़ी विजय है, हम सब के लिए गर्व का दिन है। आज पूरा देष अपने 527 षहीद सैनिको की षहादत पर गर्व कर रहा है और जो सैनिक आज सीमाओं पर हमारी सुरक्षा कर रहे है, हमारी स्वतन्त्रता को निरन्तर अक्षुण बनाये हुए है उनके प्रति आज का दिन समर्पण का दिन है। उन्होने कारगिल विजय दिवस की षुभकामनाऐं दी। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी आरएस धपौला ने बताया कि सन् 1999 मे हुए कारगिल युद्ध के कारणो एवं कारगिल मिषन पर विस्तार से प्रकाष डाला। उन्होने कहा कारगिल युद्ध मे भारतीय सेना ने अपने अदम्य साहस का प्रदर्षन करते हुए कारगिल युद्ध को जीता। उन्होने बताया इस युद्ध मे देष के 527 जवान षहीद हुए जिसमे प्रदेष के 75 व जनपद के 02 जवान षामिल है। इस युद्ध मे देष के 1300 जवान घायल हुए। उन्होने बताया कि इस युद्ध मे षहीद हुए जवानो की स्मृति मे प्रत्येक वर्श 26 जुलाई को कारगिल दिवस षौर्य दिवस के रूप मे मनाया जाता है।शौर्य दिवस के अवसर पर जनपद में षिक्षण संस्थाओं द्वारा कारगिल युद्ध/देष भक्ति से सम्बन्धित चित्रकला, निबन्ध एवं कविता पाठ एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित क्रास कन्ट्री प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष जिला सैनिक परिशद आरपी सिंह, यूएस चौहान, सदस्य राज्य सैनिक परिशद खड़क सिंह कार्की, अध्यक्ष पूर्व सैनिक जिला लीग मेजर उपाध्याय, अन्य लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

अविश्वास प्रस्ताव के निहितार्थ

प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव एक 'राजनीतिक पैंतरा' साबित हो सकता है। विपक्ष जानता है और उसे लगातार एहसास रहा है कि लोकसभा में भाजपा-एनडीए को करीब 335 सांसदों का प्रचंड बहुमत हासिल है, जबकि सामान्य बहुमत के लिए 272 सांसदों का समर्थन ही पर्याप्त है। अविश्वास प्रस्ताव के बावजूद न तो मोदी सरकार का पतन होगा और न ही मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य बदलेगा। अलबत्ता अविश्वास प्रस्ताव के कारण प्रधानमंत्री को कमोबेश लोकसभा में अपना वक्तव्य देने को बाध्य जरूर होना पड़ेगा। जाहिर है कि वह मणिपुर पर जरूर बोलेंगे, लेकिन राजस्थान, बंगाल, बिहार और छत्तीसगढ़ में भी महिलाओं के अलावा नौजवानों को निर्वस्त्र होने को विवश किया गया, दूसरे यौन अपराध भी किए गए, प्रधानमंत्री उन पहलुओं को भी जरूर सदन में रखेंगे। विपक्ष की कुल राजनीति यह है कि प्रधानमंत्री मणिपुर समेत पूर्वोत्तर राज्यों के हालात पर अपनी सरकार का पक्ष रखें, ताकि उसके पलटजवाब में विपक्ष अपनी दलीलें और अपने तथ्य पेश कर प्रधानमंत्री की घेराबंदी कर सके और 2024 की राजनीति को जिंदा रखा जा सके। विपक्ष का मणिपुर के प्रति अचानक आकर्षण बढ़ा है, जबकि इतिहास गवाह है कि उग्रवाद के 'चरम दौर' में हालात इतने विस्फोटक और हिंसक थे कि भारत की वायुसेना को हस्तक्षेप करना पड़ा था। तब देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। मणिपुर में म्यांमार, थाईलैंड आदि देशों के ड्रग सिंडिकेट और अवैध हथियारों के सौदेबाज सक्रिय रहे हैं। अभी तीन दिन पहले म्यांमार से 718 घुसपैठियों ने मणिपुर में अवैध प्रवेश किया है। विपक्ष ने यह मुद्दा कभी, क्यों नहीं उठाया। शायद अविश्वास की बहस के दौरान विपक्ष को याद आ जाए कि 'इंडिया' के एक हिस्से की स्थितियों का सच यह भी है। दरअसल मणिपुर के जरिए विपक्ष सियासी बिसात बिछा कर प्रधानमंत्री मोदी और उनकी भाजपा को शिकस्त देना चाहता है, जो फिलहाल संभव नहीं लगता। कांग्रेस नेतृत्व के ही विपक्ष ने 20 जुलाई, 2018 को भी मोदी सरकार के खिलाफ पहला अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन सत्ता-पक्ष को 325 और विपक्ष को 126 वोट मिले थे। अविश्वास का निष्कर्ष सामने था।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

थाना क्लेमेंट टाउन पुलिस ने Zomato डिलीवरी बॉयज के साथ मीटिंग कर दिए दिशा निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 जुलाई : पुलिस उपमहा-निरीक्षक /वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद देहरादून के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को आदेशित किया गया था कि जनपद में विभिन्न कंपनियों के डिलीवरी बॉय कलेक्शन एजेंट एवं रिकवरी एजेंट अपने कार्य के बहाने रेकी करते हैं और रेकी करने के उपरांत लूट ,डकैती, चोरी ,नकबजनी, वाहन चोरी आदि गंभीर आपराधिक घटनाएं कर सकते हैं।

इसलिए सभी डिलीवरी बॉयज कलेक्शन एजेंट की गहनता से निगरानी कर अभियान चलाकर सत्यापन किया जाए के आदेशा-नुसार पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशा-नुसार एवं क्षेत्राधिकारी सदर के निकट एवं कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष क्लेमेंट टाउन द्वारा थाना क्षेत्र में घूमने वाले Zomato कंपनी के टीम लीडर अवधेश चौधरी एवं रंजीत तोमर के साथ जोमैटो कंपनी के लगभग 40 डिलीवरी बॉयज के साथ थाना क्लेमेंट टाउन में मीटिंग कर आवश्यक दिशा निर्देश तथा सत्यापन कराने हेतु निर्देशित किया गया तथा सभी डिलीवरी बॉयज का सत्यापन किया गया।

आवश्यक दिशा निर्देश के बारे में जानकारी दी गई। तथा सभी डिलीवरी बॉय को हिदायत दी गई कि जिनके द्वारा अपने गृह जनपद के पुलिस थाने से पुलिस सत्यापन रिपोर्ट बनाकर जमा नहीं की गई है वह तत्काल 1 सप्ताह के अंदर संबंधित थाने से पुलिस रिपोर्ट बनाकर जमा करा देंगे तथा सभी को थाने के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी गणों के नंबर भी उपलब्ध कराए गए कि यदि आप की आड़ में कोई व्यक्ति कोई अवैध गतिविधि करता है तो उसकी सूचना भी तत्काल थाने को उपलब्ध कराएंगे।

कारगिल विजय दिवस पर वीर नारियों को किया गया सम्मानित

रुद्रपुर। पूर्व सैनिक संगठन के कारगिल विजय दिवस पर हुए कार्यक्रम का मंडी अध्यक्ष नंदन सिंह खड़ायत ने शुभारंभ किया। इस दौरान एक ओर जहां सीमा पर शहीद हुए वीर सैनिकों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर वीर नारियों को सम्मानित किया गया वहीं दूसरी ओर कारगिल विजय धूमधाम से मनाया गया। ब्लॉक सभागार में हुई कारगिल विजय दिवस पर मुख्य अतिथि नंदन सिंह खड़ायत व पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष गंभीर सिंह धामी ने वीर नारी लक्ष्मी देवी निवासी रतनपुर, पार्वती देवी निवासी आदर्श कालोनी, कलावती देवी निवासी हनुमान मंदिर, हीरा ज्याला निवासी भूड़ महोलिया, देवकी देवी निवासी कंजाबाग, गीता खड़ायत निवासी टिगरी, गोविंदी देवी निवासी राजीव नगर, दीपा जोशी निवासी भूड़ को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। यहां विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में नारायण सिंह सौन, दान सिंह बोरा, राजेंद्र सिंह अधिकारी, धन सिंह सामंत, होशियार सिंह बोरा, धन सिंह बोरा, भूपेंद्र सिंह खोलिया आदि थे। इधर कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में लायंस क्लब सिटी ने पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में पौधरोपण किया गया। यहां एकता रस्तोगी,जितेंद्र बत्रा, भुवन जोशी,राजकुमार अरोरा,हरमिक सिंह, विवेक अग्रवाल, भुवन जोशी,विनीत कुमार गुप्ता,संजय गुप्ता,डॉ विनोद कुमार,जितेंद्र बत्रा,इकबाल अहमद,जगदीश शर्मा रहे।

कांग्रेस पर हमलावर हुयी आप, विवादित बयान को बताया शर्मनाक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 27 जुलाई , भले ही इंडिया में आप कांग्रेस का हाँथ साथ नज़र आ रहा है लेकिन उत्तराखंड में ये कहीं भी साथ नहीं हैं। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं कि उत्तराखंड में आप के बड़े नेताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है जिसपर अब सियासत भी तेज़ होगी ,आइये बताते हैं क्या है मामला - कभी कांग्रेस के बड़े ज़मीनी नेताओं में शुमार किये जाने वाले और अब आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट कांग्रेस भवन में पार्टी की नीतियों को मीडिया से साझा करने वाले और अब मौजूदा आप उपाध्यक्ष आर पी रतूड़ी ने कॉंग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उत्तराखण्ड करन मेहरा के उस तथाकथित ब्यान पर गुस्सा ज़ाहिर किया है जो आजकल चर्चा में है। नेतागणों ने कहा कि गढ़वाल की जनता का अपमान अपने सम्बोधन में खुला गाली का किया गया प्रयोग अशोभनीय है

जिस गढ़वाल के वीर सपूत और वीरांगनाओं का एक लंबा इतिहास रहा हो उस प्रदेश की जनता पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मानसिक दिवालिया होकर वीर सपूतों की धरती को अपमानित करने का काम कर रहे हैं यह वह धरती है जहां वीरों ने जन्म लिया स्व श्री चंद्रशेखर गढ़वाली , वीर माधो सिंह, श्री देव सुमन , श्रीमती तिलु रोतेली , श्रीमती गौरा देवी , श्री सुन्दर लाल बहुगुणा, हेमती नंदन बहुगुणा जैसे वीर सपूतों की जन्म स्थली उत्तराखंड में आज राजनीति का स्तर इतना गिरा दिया की प्रदेश की जनता के ऊपर थूकने जैसे शब्दों का इस्तेमाल करके कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने अपनी ओछी मानसिकता का परिचय दिया है।

उनकी रैली में अगर भीड़ नहीं है जनता उन्हें स्वीकार नहीं कर रही है तो अपनी गलतियां ढूंढे कांग्रेस जनता ने दो-दो बार उन्हें मैंडेट दिया सरकार बनाई उस वक्त प्रदेश की जनता महान थी और आज अगर उनके पीछे अपने काम छोड़कर भीड़ नहीं आती तो क्या नेता उस प्रदेश को कोसने का काम करेगा। प्रदेश प्रवक्ता कमलेश रमन ने महिला की सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए कहा कि उत्तराखंड बनाने में महिलाओं ने अपना सर्वोच्च निछावर करके अपने प्राणों की आहुति देकर इस प्रदेश को बनाने का काम किया इस प्रदेश में आज तक कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं बनने दी पुरुष प्रधान नेताओं ने तो आज किस मानसिकता के तहत यह प्रदेश की जनता के ऊपर इतना बड़ा प्रश्न चिन्ह लगा सकते हैं

थूक जैसा शब्द तो इन नेताओं के खिलाफ प्रयोग होना अति आवश्यक है जिन्होंने विपक्ष में रहते हुए मित्र विपक्ष की भूमिका निभाने का काम कर रखा है सदन से लेकर सड़कों तक भाजपा के कृतियों में पूरा सहयोग करते हैं और प्रदेश की जनता पर लांछन लगाते हैं अपनी विफलताओं का ठीकरा गढ़वाल और कुमाऊं में बाटकर अपनी जीभ का परिचय देते हैं प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए करण मेहरा को और उनके शीर्ष नेतृत्व को उन्हें तत्काल प्रभाव से प्रदेश अध्यक्ष पद से निलंबित करना चाहिए

यह उस मातृशक्ति के ऊपर कुठाराघात होगा जिन्होंने इस प्रदेश की बागडोर भ्रष्टाचार में लिफ्त उन राजनेताओं के हाथों में वोट के माध्यम से दी जो लोग महिला सुरक्षा के नाम पर सिर्फ रस्म अदायगी करते हैं । ऐसे लोगों को पदों पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। आम आदमी पार्टी उत्तराखण्ड कॉंग्रेस केंद्रीय नेतृत्व से मांग करती है कि श्री करण महरा को तत्काल कार्यवाही कर उनके पद से मुक्त किया करें अगर कार्यवाही नहीं होती है तो आम आदमी पार्टी करण मेहरा के द्वारा कहे गए घृणित शब्दों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएगी ।

कौन कहता है कि लड़कियां बोझ है, हर लड़की स्ट्रॉन्ग है : तसनीमा कौसर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 जुलाई : वैसे तो आपने महिलाओं के बारे में अलग अलग कारनामे सुने होंगे लेकिन आज हम आपको एक ऐसी महिला के बारे में बताने जा रहे हे, जिसने ये साबित कर दिया की महिलाएं किसी के सर पर बोझ नहीं , जी हाँ हम बात कर रहे हे, तसनीमा कौसर की तसनीमा कौसर एक ऐसा नाम हे , जिसने कदम कदम पर हर पल हर वक्त दिक्कतों का सामना किया और कभी हार नहीं मानी, दिक्कतों का सामना करते हुए अपने कदम आगे बढ़ाती रही , और आज तसनीमा कौसर 10 हजार महिलाओं की एक शानदार लीडर बनकर काम कर रही हे, अपना एनजीओ दून महिला सकती ट्रस्ट चला रही है, तसनीमा कौसर का कहना है कौन कहता है कि लड़कियां बोझ है..आज की लड़की अपना बोझ तो क्या, परिवार का बोझ भी अपने कंधों पर उठाने की हिम्मत रखती है। तभी तो उन्हे संसार की जननी कहा गया है। बेशक पहले स्त्री को अबला माना जाता है, लेकिन आज की नारी अबला नहीं। शिक्षा हो या खेल कूद का क्षेत्र हो वह हर जगह अपनी मेहनत के बलबूते पर आगे बढ़ रही हैं। बेटों की तरह वह भी पूरी निष्ठा के साथ जिम्मेदारियां संभाल रही है। देश की बेटियां अब सिर्फ सिलाई- कढ़ाई या ब्यूटी पार्लर तक ही सीमित नहीं रह गई है बल्कि वह तो दुश्मनों के छक्के छुड़ाने के लिए तैयार हैं।नई राह और बदलते दृष्टिकोण की वजह से नारी आज एक शक्ति के रूप में उभर रही है. नारी आज के बदलते परिवेश में जिस तरह पुरुष वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर प्रगति की ओर अग्रसर हो रही है, वह समाज के लिए एक गर्व और सराहना की बात है. आज राजनीति, टेक्नोलोजी, सुरक्षा समेत हर क्षेत्र में जहां जहां महिलाओं ने हाथ आजमाया उसे कामयाबी ही मिली. अब तो ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां आज की नारी अपनी उपस्थिति दर्ज न करा रही हो. और इतना सब होने के बाद भी वह एक गृहलक्ष्मी के रूप में भी अपना स्थान बनाए हुए है. तसनीमा कौसर की हिम्मत और जज्बे को हम दिल से सलाम करते हे ,और यही दुआ करेंगे आप हमेशा ऐसे आगे पड़ती रहे और बेसहारा गरीब लोगो को कामयाबी की रहा दिखती रहे।

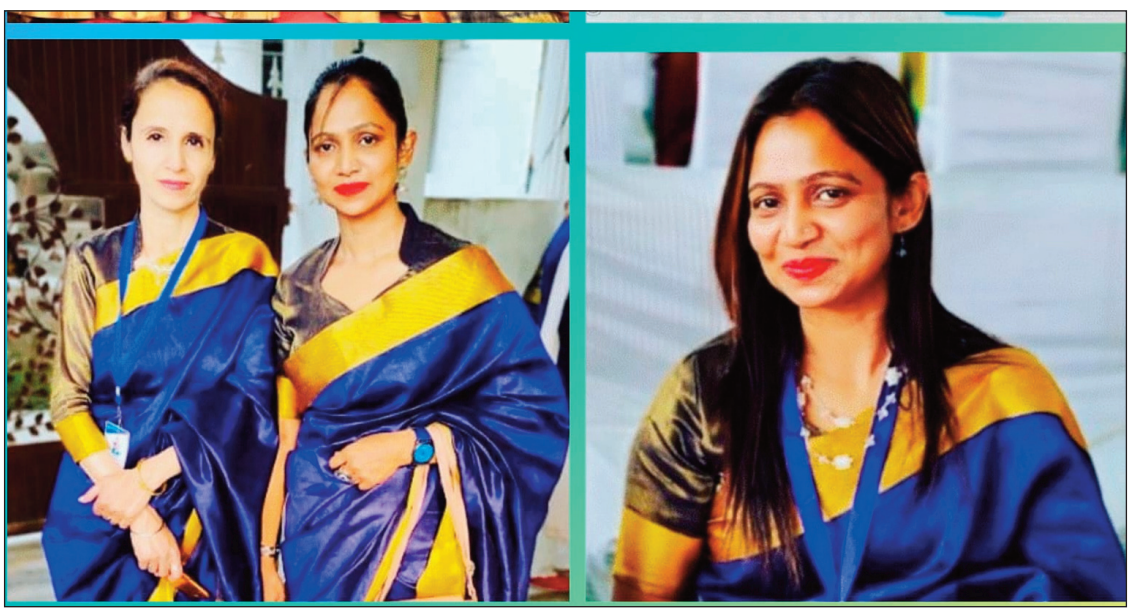

शहीद केवलानंद द्विवेदी की शहादत को याद किया

पिथौरागढ़। नगर में कारगिल विजय दिवस उत्साह से मनाया गया। बुधवार को बमन गांव स्थित शहीद स्मारक में लोग एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने शहीद केवलानंद द्विवेदी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपने जान की कुर्बानी देने वाले शहीदों की शहादत के कारण ही हम सुरक्षित हैं। यहां ग्राम प्रधान दुर्गा राम, संदीप द्विवेदी, गौरव द्विवेदी, पीसीसी मेंबर जगत सिंह बृथ्वाल, कैलाश द्विवेदी, विजय द्विवेदी, पूर्व सैनिक भवानी दत्त द्विवेदी, गणेश द्विवेदी, धर्मानंद द्विवेदी, पुष्कर सिंह राणा, गोकुलानंद द्विवेदी, गंगा दत्त द्विवेदी, कविराज द्विवेदी, जगदीश मेहता, दीपू राणा, पुष्पा द्विवेदी, ब्रजमोहन द्विवेदी, बलवंत सिंह राणा, दिग्विजय सिंह मौजूद रहे।

डीएम ने ली पीसीपीएनडीटी की जिला स्तरीय समिति की बैठक

पिथौरागढ़। सीमांत में दवा संचालक डॉक्टर की पर्ची बगैर गर्भपात की दवा नहीं बेच सकेंगे। प्रशासन ने बगैर डॉक्टर की पर्ची बगैर गर्भपात दवा बेचने वाले कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय लिया है। इसके लिए डीएम ने संबंधित एसडीएम को निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। नगर में डीएम रीना जोशी ने प्रसव पूर्व लिंग चयन निषेध अधिनियम(पीसीपीएनडीटी) 1994 के तहत गठित जिला स्तरीय समिति के साथ बैठक की।इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, स्वयं सेवी संस्थाओं और अन्य संबंधित विभागों से जनपद में लिगांनुपात बढ़ाने के लिए किए जा रहे कार्यो को लेकर चर्चा की। उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम, संस्थागत प्रसव के लिए किए जा रहे कार्यों एवं महिलाओं के उत्तम स्वास्थ्य के लिए किए जा रहे कार्यो की जानकारी ली। अधिकारियों से कम लिंगानुपात वाले विकासखंड गंगोलीहाट, धारचूला में कन्या भ्रूण हत्या जैसे अपराध न हो इस पर विशेष ध्यान देने को कहा है। साथ ही आशा कार्यकत्रियों से गर्भपात वाले केसों का ब्यौरा एकत्रित करने, गर्भपात के कारणों का पता करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि ऐसे क्षेत्र जहां लिंगानुपात कम है यदि आशा कार्यकत्रियों के सक्रिय सहयोग से लिंगानुपात बढ़ता है तो उन आशाओं को विशेष अवसरों पर सम्मानित किया जाएगा।